|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| Name: \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ | Date: \_\_\_\_\_\_\_\_\_ | Period: \_\_\_\_\_\_\_ |

Theology: Chapter 2

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 1T |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2S |  A |  L |  V |  A |  T |  I |  O |  N |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  N |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | 3M |  |  |  |  |  | 4C |  |  |  G |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | 5S |  A |  L |  V |  A |  T |  I |  O |  N |  H |  I |  S | 6T |  O |  R |  Y |  |  |  |  | 7S |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  G |  |  |  |  |  |  V |  |  |  B |  |  R |  |  |  |  |  |  |  |  P |  |  |  | 8F |
|  |  |  | 9D |  I |  V |  I |  N |  E |  |  |  |  E |  |  |  L |  |  U |  | 10H |  |  |  |  |  |  I |  | 11S |  |  U |
|  |  |  |  |  |  |  S |  |  | 12C |  |  |  N |  |  |  E |  |  E |  |  U |  |  |  |  |  |  R |  |  A |  |  N |
|  |  |  | 13M |  Y |  S |  T |  A |  G |  O |  G |  I |  A |  |  |  |  |  |  |  M |  |  |  |  |  |  I |  |  L |  |  D |
|  |  |  |  |  |  |  E |  |  |  N |  |  |  N |  |  | 14S |  |  |  |  A |  |  | 15A |  |  |  T |  |  V |  |  A |
|  |  |  |  |  |  |  R |  |  |  S |  |  |  T |  |  |  A |  |  |  |  N |  |  |  U |  |  |  U |  |  A |  |  M |
| 16H |  O |  L |  Y |  S |  P |  I |  R |  I |  T |  |  |  | 17H |  O |  L |  Y |  S |  P |  I |  R |  I |  T |  |  |  A |  |  T |  |  E |
|  |  |  |  |  |  |  U |  |  |  I |  |  | 18K |  |  |  V |  |  |  |  T |  |  |  H |  |  |  L |  |  I |  |  N |
|  |  |  |  | 19C |  |  M |  |  |  T |  | 20H |  I |  E |  R |  A |  R |  C |  H |  Y |  | 21P |  E |  N |  T |  E |  C |  O |  S |  T |
|  |  |  |  |  H |  |  |  |  |  U |  |  |  N |  |  |  T |  |  |  |  |  |  |  N |  |  |  S |  |  N |  |  A |
|  |  |  |  |  U |  |  |  |  |  T |  |  |  G |  |  |  I |  |  |  |  |  |  |  T |  |  |  S |  |  H |  |  L |
|  |  |  |  |  R |  | 22C |  | 23K |  I |  N |  G |  D |  O |  M |  O |  F |  G |  O |  D |  |  |  I |  |  |  E |  |  I |  |  S |
|  |  |  |  |  C |  |  O |  |  |  O |  |  |  O |  |  |  N |  |  |  |  |  |  |  C |  |  |  N |  |  S |  |  |
|  | 24U |  N |  C |  H |  A |  N |  G |  I |  N |  G |  |  M |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  C |  |  T |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  S |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  E |  |  O |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  T |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  R |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  R |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 25N |  E |  C |  E |  S |  S |  A |  R |  Y |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  U |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  C |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  T |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  I |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  O |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  N |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

|  |  |
| --- | --- |
| **Across****2.** True, complete, and permanent unity with God and one another.**5.** The Church is the culmination of\_\_\_\_\_\_\_\_ \_\_\_\_\_\_\_\_\_.**9.** God binded \_\_\_\_\_\_\_ nature with human nature.**13.** Unfolding of the mystery.**16.** The \_\_\_\_\_ \_\_\_\_\_ reveals God to us on Earth.**17.** \_\_\_\_\_\_ \_\_\_\_\_\_\_speaks through signs and symbols.**20.** The structural order of leaders within the Church.**21.** "Birthday of the Church."**23.** Reign or rule of God.**24.** It is impossible for some moral teachers to change because God is \_\_\_\_\_\_\_\_\_.**25.** Jesus and the Church are \_\_\_\_\_\_\_\_ to God's plan for Salvation. | **Down****1.** God remains incarnate in human history because he remains present and \_\_\_\_\_\_\_\_\_ in the Church.**3.** The teaching authority of the Church.**4.** Partnership between God and humanity.**6.** When sinners share God’s healing and forgiveness with others, they are speaking through the “\_\_\_\_\_” Church.**7.** The \_\_\_\_\_\_ \_\_\_\_\_\_\_ of the Church can not be scientifically observed.**8.** The \_\_\_\_\_\_\_\_ of the Church stay the same.**10.** God's love for \_\_\_\_\_\_\_ is revealed in Jesus' death and resurrection.**11.** Story of God's action in human history.**12.** The church has permanent ethic, body of dogma, and \_\_\_\_\_\_\_\_\_.**14.** The Church is necessary for \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_.**15.** The magisterium's role in interpreting scripture and tradition is the \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ interpreter.**18.** Through the Incarnation of Jesus, the \_\_\_\_\_\_\_\_\_ of God broke into human history.**19.** Summation of all God's gifts.**22.** The \_\_\_\_\_\_\_\_\_\_\_ of the Church is the Churchs' basic form and makeup. |